ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) (A
Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जोहान्सबर्ग में शनिवार से शुरू होगा 9वां विश्व हिंदी सम्मेलन
हिंदी विश्वविद्यालय की होगी अहम भूमिका

वर्धा दि. 21 सितंबर 2012: दक्षिण अफ्रीका में हिंदी शिक्षा संघटन एवं अन्य भागीदारों के सहयोग से भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा 22 से 24 सितंबर तक जोहान्सबर्ग में 9वॉं विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का एक दल कुलपति विभूति नारायण राय तथा प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन के नेतृत्व में रवाना हुआ है जिसे सम्मेलन में अहम जिम्मेदारी सौंपी गयी है। सम्मेलन में सम्मेलन रिपोर्ट एवं दैनिक बुलेटिन का प्रकाशन तथा प्रदर्शनी लगवाने की तथा उसका संयोजन करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के दल को मिली है। इस दल में प्रदर्शनी समन्वय हेतु बनायी गयी समिति में प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. सूरज पालीवाल, डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, डॉ. मल्सर्ज एम. मंगोड़ी तथा जगदीप सिंह दांगी शामिल हैं। सम्मेलन रिपोर्ट एवं दैनिक बुलेटिन के प्रकाशन हेतु भेजी गयी टीम में डॉ. प्रीति सागर, अशोक मिश्र, राजेश यादव, राजेश अरोड़ा तथा अमित विश्वास शामिल हैं।

यह सम्मेलन 'भाषा की अस्मिता और हिंदी का वैश्विक संदर्भ' इस मुख्य विषय पर होगा जो सैंडटन कन्वेशन सेंटर, जोहान्सबर्ग में सम्पन्न होगा। विदित हो कि विश्व हिंदी सम्मेलन की शुरूआत 1975 में नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन से हुई। अब तक आठ विश्व हिंदी सम्मेलन विश्व के अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जा चुके हैं। पोर्ट लुई, मौरिशस में यह सम्मेलन दो बार आयोजित किया गया तथा नई दिल्ली, पोर्ट ऑफ स्पेन, लंदन, पारामारिबो तथा न्यूयॉर्क में भी यह सम्मेलन एक-एक बार आयोजित हुआ। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित इस सम्मेलन में हिंदी के प्राचीन एवं आधुनिक पहलुओं से संबंधित परंपरागत और समसामायिक विषयों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही महात्मा गांधी की भाषा दृष्टि और वर्तमान का संदर्भ, हिंदीः फिल्म, रंगमंच और मंच की भाषा, सूचना प्रौद्योगिकीः देवनागरी लिपि और हिंदी का सामर्थ्य, लोकतंत्र और मीडिया की भाषा के रूप में हिंदी, विदेश में भारतः भारतीय-ग्रंथों की भूमिका, ज्ञान-विज्ञान और रोजगार की भाषा के रूप में हिंदी, हिंदी के विकास में विदेशी/प्रवासी लेखकों की भूमिका, हिंदी के प्रसार में अनुवाद की भूमिका, दक्षिण अफ्रीका में हिंदी शिक्षा-युवाओं का योगदान आदि विषयोंपर विमर्श होगा।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.smartpdfcreator.com

विश्व शांति, अहिंसा, समानता और सम्पूर्ण मानव जाति के न्याय के लिए लंबे समय तक महात्मा गांधी द्वारा और उनके जीवन से प्रभावित दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति डा. नेल्सन मंडेला द्वारा चलाए गए संघर्ष को देखते हुए सम्मेलन के उद्घाटन स्थल का नाम गांधीग्राम, पूर्ण सत्र हॉल का नाम नेल्सन मंडेला सभागार तथा अन्य सत्रों वाले स्थलों का नाम शांति, सत्य, अहिंसा, नीति और न्याय रखा गया है।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com